कक्षा-11 (केवल प्रश्न-पत्र)

[समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100]

(खण्ड-क) (50 अंक)

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) 'रानी केतकी की कहानी' के रचनाकार हैं– 1
(i) सदल मिश्र (ii) इंशा अल्ला खां (iii) सदासुखलाल (iv) राजा लक्ष्मण सिंह।

(ख) महावीरप्रसाद द्विवेदी की रचना है– 1
(i) रूपक रहस्य (ii) पवित्रता (iii) रसज्ञ-रंजन (iv) भाषा की शक्ति।

(ग) 'मर्यादा' पत्रिका के सम्पादक हैं– 1
(i) राजेन्द्र यादव (ii) धर्मवीर भारती (iii) हरिशंकर परसाई (iv) डॉ. सम्पूर्णानन्द।

(घ) कहानी संग्रह नहीं है– 1
(i) चिता के फूल (ii) शिकायत मुझे भी है (iii) फाँसी (iv) शरणार्थी।

(ङ) अंग्रेजी के 'स्केच' का रूपान्तरण है– 1
(i) जीवनी (ii) भेंटवार्ता (iii) रेखाचित्र (iv) रिपोर्ताज।

2. (क) खुमाण रासो के रचयिता हैं– 1
(i) गोरखनाथ (ii) दलपत विजय (iii) भट्ट केदार (iv) अमीर खुसरो।

(ख) हजारीप्रसाद द्विवेदी की रचना है- 1
(i) अशोक के फूल (ii) त्याग-पत्र (iii) विद्या सुन्दर (iv) कोठरी की बात।

(ग) 'सुख सागर' के लेखक हैं– 1
(i) इंशा अल्ला खाँ (ii) लल्लू लाल (iii) मुंशी सदासुखलाल (iv) सदल मिश्र

(घ) छायावाद के कवि हैं– 1
(i) कुँवर नारायण (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) अज्ञेय (iv) माखनलाल चतुर्वेदी।

(ङ) 'छायावादोत्तर गद्य' काल की रचना है– 1
(i) रत्नावली (ii) रानी नागफनी की कहानी (iii) विचार–विमर्श (iv) रसज्ञ–रञ्जन।

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर उनके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $2 \times 5 = 10$

(क) हमारे हिन्दुस्तानी लोग तो रेल की गाड़ी हैं। यद्यपि फर्स्ट क्लास, सेकेण्ड क्लास आदि गाड़ी बहुत अच्छी-अच्छी और बड़े-बड़े महमूल की इस ट्रेन में लगी हैं पर बिना इंजन सब नहीं चल सकतीं, वैसे ही हिन्दुस्तानी लोगों को कोई चलानेवाला हो तो ये क्या नहीं कर सकते। इनसे इतना कह दीजिए 'का चुप साधि रहा बलवाना' फिर देखिए हनुमान जी को अपना बल कैसे याद आता है। सो बल कौन याद दिलावे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
(ii) प्रस्तुत गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) लेखक ने हिन्दुस्तानियों को किसके सदृश बताया है?
(iv) 'का चुप साधि रहा बलवाना' इस कथन से लेखक का क्या आशय है?
(v) लेखक ने हनुमान जी को किसका प्रतीक बताया है?

सूर्यदेव की उदारता और न्यायशीलता तारीफ के लायक है। तरफदारी तो उसे छू-तक नहीं गयी–पक्षपात की तो गंध तक उसमें नहीं, देखिए न, उदय तो उसका उदयाचल पर हुआ, पर क्षण ही भर में उसने अपने नये किरण-कलाप को उसी पर्वत के शिखर पर नहीं, प्रत्युत सभी पर्वतों के शिखरों पर फैलाकर उन सबकी शोभा बढ़ा दी। उसकी इस उदारता के कारण इस समय ऐसा मालूम हो रहा है, जैसे सभी भूधरों ने अपने शिखरों-अपने मस्तकों पर दुपहरिया के लाल-लाल फूलों के मुकुट धारण कर लिए हों। सच है, उदारशील सज्जन अपने चारुचरितों से अपने ही उदय-देश को नहीं, अन्य देशों को भी आप्यायित करते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
(ii) प्रस्तुत गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) सूर्यदेव के स्वभाव के विषय में लेखक के क्या विचार हैं?

https://www.upboardonline.com

(iv) पर्वतों के शिखरों पर पड़ती प्रातःकालीन सूर्य की किरणों के विषय में क्या कहा गया है?
(v) प्रस्तुत गद्यांश में सूर्यदेव की उदारता के आधार पर किसके संदर्भ में और क्या कहा गया है?

4. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर उनके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **2 × 5 =**

(क) चढ़ा असाढ़, गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा।।
धूम साम, धौरे घन धाए। सेत धजा बग पाँति देखाए।।
खड़क बीजु चमकै चहुँ ओरा। बुंद बान बरसहिं घन घोरा।।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत! उबारु मदन हौं घेरी।।
दादुर मोर कोकिला पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ।।
पुष्य नखत सिर ऊपर आवा। हौं बिनु नाह, मँदिर को छावा?
अद्रा लाग लागि भुइँ लेई। मोहिं बिनु पिउ को आदर देई।।
जिन्ह घर कंता ते सुखी, जिन्ह गारौ औ गर्ब।
कंत पियारा बाहिरै, हम सुख भूला सर्ब।।

प्रश्न– (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।*अथवा* पद्यांश के कवि एवं पाठ का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) विरह ने युद्ध के लिए किस प्रकार सेना सजा ली है?
(iv) प्रस्तुत पद्य पंक्तियों में किन-किन नक्षत्रों का प्रयोग हुआ है?
(v) नागमती ने अपना सब सुख क्यों भुला दिया है?

(ख) निसि दिन बरषत नैन हमारे।
सदा रहति बरषा रितु हम पर, जब तैं स्याम सिधारे।
दृग अंजन न रहत निसि बासर, कर कपोल भए कारे।
कंचुकि-पट सूखत नहिं कबहूँ, उर बिच बहत पनारे।
आँसू सलिल सबै भइ काया, पल न जात रिस टारे।
सूरदास प्रभु यहै परेखौ, गोकुल काहैं बिसारे।

प्रश्न– (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। *अथवा* पद्यांश के कवि एवं पाठ का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) किसके विरह में गोपिकाओं की आँखों में रात-दिन बरसात लगी रहती है?
(iv) गोपिकाओं के हाथ और कपोल क्यों काले हो गये हैं?
(v) प्रस्तुत पद्यांश में कौन-सा अलंकार है?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक के जीवन-परिचय तथा उनकी रचनाओं का उल्लेख करते हुए भाषा-शैली प्रकाश डालिए– **3 + 2 =**
(i) श्याम सुन्दर दास (ii) राहुल सांकृत्यायन (iii) रामवृक्ष बेनीपुरी (iv) रायकृष्ण दास।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन-परिचय तथा उनकी कृतियों का उल्लेख करते हुए साहित्यिक विशेषताओं प्रकाश डालिए– **3 + 2 =**
(i) कबीरदास (ii) केशवदास (iii) तुलसीदास (iv) मलिक मुहम्मद जायसी।

6. 'बलिदान' अथवा 'समय' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
अथवा 'ध्रुवनारा' अथवा 'प्रायश्चित' कहानी की कथावस्तु प्रस्तुत कीजिए।

7. स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए–
(i) 'कुहासा और किरण' नाटक के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
अथवा 'कुहासा और किरण' नाटक की संवाद योजना का मूल्यांकन कीजिए।
(ii) 'सूतपुत्र' नाटक का सारांश लिखिए।
अथवा 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर कर्ण के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।
(iii) 'आन का मान' नाटक की कथावस्तु की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
अथवा 'आन का मान' नाटक में वीर दुर्गादास का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(iv) 'गरुड़ध्वज' नाटक की कथावस्तु के ऐतिहासिक पक्ष को स्पष्ट कीजिए।
अथवा 'गरुड़ध्वज' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(v) 'राजमुकुट' नाटक में जिस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया है, उसके चरित्र की विशेषताएँ बताइए।
अथवा 'राजमुकुट' नाटक के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

https://www.upboardonline.com

(खण्ड-ख) (50 अंक)

8. (क) निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 7

अस्योपत्यकायां विद्यमानः कश्मीरो देशः स्वकीयाभिः सुषमाभिः भूस्वर्ग इति संज्ञया अभिहितो भवति लोके, ततश्च पूर्वस्यां दिशि स्थितः किन्नरदेशो देवभूमिनाम्ना प्राचीनसाहित्ये प्रसिद्धः आसीत्। अद्यापि 'कुलूघाटी' इति नाम्ना प्रसिद्धोऽयं प्रदेशः रमणीयतया केषां मनो न हरति। शिमला-देहरादून-मसूरी-नैनीताल-प्रभृतीनि नगराणि देशस्य सम्पन्नान् जनान् ग्रीष्मर्तौ बलादिव भ्रमणाय आकर्षन्ति।

अथवा 'अहिंसामात्रेण स्वातन्त्र्यप्राप्तेः प्रयासः कल्पनामात्रमेव' इति निश्चित्य सः क्रान्तिपक्षमङ्गीकृतवान्। अस्योपक्रान्ते पीताः आङ्ग्लशासकाः पुनरिमं कारागारे अक्षिपन्। कष्टकरमिमं वृत्तान्तं श्रुत्वा सुभाषानुरक्तानां भारतीयानाम् हृदयं व्यदीर्यत्। एकदा रात्रौ निद्रावशी भूतेषु कारागारनिरीक्षकेषु वीरोऽयं सहसा समुत्थाय 'शठे शाठ्यं समाचरेत' इति नीतिमनुसरन्, स्वतन्त्रसिद्धिं कामयमानश्च सिद्धिदात्रीं जगदम्बां संस्मृत्य कारागाराद् बहिर्गतः।

(ख) अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः। 7
चत्वारि तस्य वर्द्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलम्।।

अथवा वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णा–
न्यन्यानि संयाति नवानि देही।।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 4
(क) विद्योपार्जनार्थं चत्वारो ब्राह्मणाः कुत्र गताः? (ख) वाल्मीकिः किं ग्रन्थं रचितवान्?
(ग) विद्या केन रक्ष्यते? (घ) सुभाषस्य जन्म कुत्र अभवत्?

10. (क) निम्नांकित पंक्तियों में कौन-सा रस है? उसका स्थायीभाव लिखिए– 2
अति रिस बोले बचन कठोरा, कहु जड़ जनक धनुष के तोरा।
बेगि देखाउ मूढ़ न त आजू, उलटहुँ महि जहँ लगि तव राजू।।

अथवा 'शान्त रस' की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

(ख) 'यमक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ग) चौपाई, कुंडलिया तथा उपेन्द्रवज्रा में से किसी एक का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए– 9
(क) विज्ञान वरदान या अभिशाप। (ख) बेरोजगारी की समस्या।
(ग) आतंकवाद : विश्वशांति के लिए खतरा। (घ) प्रदूषण की समस्या। (ङ) यदि मैं प्रधानाचार्य होता।

12. (क) (i) 'हरेऽव' का सन्धि-विच्छेद होगा– 1
(अ) हर + एव (ब) हरे + अव (स) हरे + एव (द) हरि + अव।

(ii) 'नै + अकः' की सन्धि है– 1
(अ) नेकः (ब) नैकः (स) नौकः (द) नायकः।

(iii) 'गौश्चरति' अथवा 'रामोऽस्ति' में कौन-सी सन्धि है? 1

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए– 2
(i) महाबलः (ii) अनुदिनम् (iii) जितेन्द्रियः।

13. (क) (i) 'सर्वस्मात्' रूप है 'सर्व' पुंलिङ्ग शब्द का– 1
(अ) पंचमी, एकवचन, (ब) सप्तमी, एकवचन (स) द्वितीया, द्विवचन (द) चतुर्थी, एकवचन।

(ii) 'जगत्' नपुंसक लिङ्ग के चतुर्थी, एकवचन का रूप है– 1
(अ) जगता (ब) जगतः (स) जगते (द) जगति।

(ख) 'स्था' (तिष्ठ) अथवा 'नी' धातु विधिलिङ् लकार के मध्यम पुरुष, एकवचन का रूप लिखिए। 2

(ग) (i) 'पठित्वा' अथवा 'कथितव्यः' में धातु और प्रत्यय के योग को स्पष्ट कीजिए। 1

(ii) 'गतिमान्' अथवा 'पशुता' में कौन-सा प्रत्यय है? 1

(घ) रेखांकित में से किन्हीं दो में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 2
(i) मातृ हृदयं **कन्यां प्रति** स्निग्धं भवति। (ii) **सूर्याय** स्वाहा। (iii) **बालिकासु** मंजरी श्रेष्ठा।

14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4
(अ) मैं भिक्षुकों को भीख देता हूँ। (ब) दिनेश कमर से कुबड़ा है।
(स) विद्यालय के निकट एक तालाब है। (द) यह आदमी अपने पुत्र के साथ घर जायगा।

https://www.upboardonline.com